

7/1/19

पत्रावली आज पेश हुई। पार्सी की प्रार्थना पत्र राजस्थान कानूनकारी अधिनियम 1953 की धारा 212 अस्थाई निवेदाज्ञा जिसमें पार्सीगण प्रश्नगत दृष्टि भूमि के संबंध में प्रथम दृष्टया मामला, सुविधा का संतुलन एवं अपूरणीय क्षति का विन्द् सिद्ध होना नहीं पाया जागाई इसके प्रार्थना का प्रार्थना पत्र अस्वीकार किया जाता है। निर्णय यल्लग ले लिखा जाकर शामिल मिलल किया जाता है। निर्णय आज दिनांक 7.1.2019 को यूले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नंबर से कम है।

दिनांक 7/1/19

सहायक कलेक्टर
(एस.डी.ओ.) नायल

